BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ शुक्ल पक्ष दशमी शनिवार विक्रम संवत् 2079। 09 जुलाई 2022

बैठक • बिहार में फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री व एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर्स तैयार करने पर मंत्री ने की चर्चा

फूड प्रोसेसिंग संस्थान के लिए केंद्र ने मांगी जमीन

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

बिहार में फूड प्रोसेसिंग संस्थान एनआईएफटीईएम (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी इंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट) खुलेगा। प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) के तहत बिहार में एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर्स की स्थापना के लिए जल्द ही पटना में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय और उद्योग विभाग के बीच उच्च स्तरीय बैठक होगी। साथ ही पटना में इस सेक्टर में बड़े उद्योगपतियों की मौजूदगी में फूड प्रोसेसिंग कॉन्क्लेव होगा। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री पशुपति कुमार पारस व उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन के बीच हुई बैठक में यह तय किया गया। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री पारस ने उद्योग मंत्री को एनआईएफटीईएम खोलने के लिए जमीन उपलब्ध कराने के लिए कहा। इस पर उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा कि संस्थान खोलने के लिए जो भी जरूरी होगा, किया जाएगा। उद्योग मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर्स योजना से बिहार के किसानों को बहुत लाभ हो सकता है। साथ ही फूड प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस के साथ शाहनवाज हुसैन ने की बैठक

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री पशुपति कुमार पारस के साथ बैठक करते उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन।

एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर्स की स्थापना के लिए 10 एकड़ जमीन की जरूरत होगी। यहां 25 करोड़ या इससे ऊपर की लागत की कम से कम पांच खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य होगा। योजना में हर एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर में राज्य और केंद्र मिल कर जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर सड़क, पानी, बिजली, ड्रेनेज, ईटीपी, वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज, टेट्रा पैक, शॉर्टिंग और ग्रेडिंग जैसी सुविधा मिलेगी। एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर योजना से किसानों के घर खुशहाली आएगी और राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। मौके पर रालोजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल भी मौजूद थे।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 09.07.2022 | पृष्ठ सं० 01

BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार में सोना, निकल, पोटाश और क्रोमियम का होगा खनन

- पिछले दिनों केन्द्र ने सौंपे थे बिहार को क्रोमियम-पोटैशियम के चार खनिज ब्लॉक
- खान एवं भूतत्व मंत्री ने कहा- टेंडर की प्रक्रिया शुरु

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। राज्य सरकार शीघ्र ही सोने के साथ-साथ क्रोमियम-पोटैशियम के खनिज ब्लॉकों का खनन शुरू करवाएगी। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। टेंडर के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है। यह जानकारी खान एवं भूतत्व मंत्री जनक राम ने दी। उन्होंने बताया कि जमुई, औरंगाबाद, नवादा सहित कई जिलों में बड़े पैमाने पर निकल, पोटाश, क्रोमियम और सोना के भंडार मिले हैं, जिसका खनन जल्द शुरू होने वाला है। 3 ब्लॉक पोटाश और एक ब्लॉक क्रोमियम निकल का पाया गया है। वहीं जमुई के सोनो प्रखंड में सोना, औरंगाबाद में क्रोमियम के भंडार मिले हैं। मंत्री शुक्रवार को भाजपा दफ्तर में पत्रकारों से रू-ब-रू थे।

दरअसल, पिछले दिनों केंद्रीय खान मंत्रालय ने बिहार को चार खनिज ब्लॉक सौंपे हैं। ये खान क्रोमियम और पोटैशियम के हैं और सासाराम, रोहतास, गया और औरंगाबाद में स्थित हैं। केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बिहार के खान एवं भूतत्व मंत्री जनक राम को खनिज सर्वे के दस्तावेज सौंपे थे। तब केन्द्र ने 14 राज्यों को विभिन्न खनिजों के 100 ब्लॉक सौंपकर उनसे इनकी जल्द से जल्द नीलामी कराने का आग्रह किया था। जनक राम ने बताया कि बिहार को तीन पोटैशियम के और एक क्रोमियम के ब्लॉक दिये गये हैं। इसमें सासाराम-रोहतास में 10 वर्ग किलोमीटर का नड़वाडीह ब्लॉक, आठ वर्ग किलोमीटर में टीपा खनिज ब्लॉक और शाहपुर में सात वर्ग किलोमीटर का ब्लॉक शामिल है। ये तीनों पोटैशियम के ब्लॉक हैं। इसके अलावा औरंगाबाद-गया में क्रोमियम के ब्लॉक हैं। यह आठ वर्ग किलोमीटर का है। क्रोमियम का इस्तेमाल एविएशन और मोबाइल में होता है। बिहार को इसका सीधा लाभ होगा। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इन ब्लॉक से संबंधित विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अध्ययन करके शीघ्र इनकी नीलामी की प्रक्रिया शुरू करेगी। निश्चित रूप से बिहार को इसका लाभ होगा। मार्च में माइन्स एंड मिनरल (डेवलेपमेंट एंड रेग्युलेशन) एक्ट में संशोधन के बाद यह पहला मौका था जब जी-4 स्तर यानी शुरुआती सर्वेक्षण स्तर पर खनिज ब्लॉक की नीलामी की अनुमति दी गई है। अभी तक खनन सर्वेक्षण के चार स्तरों में से जी-4 स्तर का सर्वेक्षण केवल सरकारी एजेंसियां या पीएसयू ही कर सकते थे। मंत्री जनक राम ने कहा कि एनजीटी की रोक के कारण सूबे में बालू का खनन नहीं हो पा रहा है। लेकिन, इसका पर्याप्त स्टॉक है। जरूरतमंदों को बालू की किल्लत नहीं होने दी जाएगी। सभी जिलाधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिये गए हैं। उन्होंने अवैध खनन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी चेतावनी दी और कहा कि इसे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

क्या है क्रोमियम

- **क्रोमियम सिल्वर** : सफेद रंग की धातु होती है। इसमें हल्के नीले रंग की झलक होती है। यह कठोर व जंग रोधी धातु है। इसका इस्तेमाल एविएशन व मोबाइल बनाने में भी होता है
- **निकेल** : यह एक श्वेत-चांदी रंग की धातु है। इसमें हल्की सुनहरी आभा निकलती है। यह जंगरोधी होता है। लोहे व अन्य धातु को जंग से बचाने के लिए उन पर निकल की परत चढ़ाई जाती है। चुम्बक उद्योग और स्टील को जंगरोधी बनाने में भी यह काम आता है।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 09.07.2022 | पृष्ठ सं० 1

छह माह में जीएसटी संग्रह पहुंचा 1.40 लाख करोड़ रुपये प्रति माह : तारकिशोर

पटना। डिप्टी सीएम सह वाणिज्य कर मंत्री तारकिशोर प्रसाद ने दिल्ली में आयोजित फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) के कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने से पूरे देश में टैक्स प्रणाली में व्यापक बदलाव आया है। साथ ही जीएसटी संग्रह में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। जीएसटी प्रणाली के तहत पांच वर्षों में राजस्व संग्रहण के आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि अप्रत्यक्ष करों में सुधार के लिए लागू की गयी यह व्यवस्था स्टेबलाइज हो चुकी है। जुलाई 2017 के बाद प्रारंभिक महीनों में जहां जीएसटी का संग्रहण 92 हजार करोड़ रुपए प्रतिमाह था। वहीं पिछले छह महीने के दौरान यह बढ़कर एक लाख 40

हजार करोड़ रुपए प्रतिमाह के स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में बिहार में वित्तीय वर्ष 2021-22 में रिकॉर्ड राजस्व का संग्रहण किया गया है। वाणिज्य-कर विभाग के कर संग्रहण का लक्ष्य 30 हजार 550 करोड़ रुपए के विरुद्ध 35 हजार 846 करोड़ रुपए हुआ है। पिछले वर्ष की तुलना में जीएसटी मद में 18.04 प्रतिशत, जबकि नॉन-जीएसटी मद में 4.03 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा विभाग ने पुराना बकाये के निपटारे के लिए लायी गयी वन टाइम सेटेलमेंट स्कीम को भी पिछले वर्ष सितंबर 2021 तक विस्तार किया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों का सकारात्मक असर हुआ है एवं विपरीत परिस्थितियों के बावजूद वाणिज्य-कर विभाग कर संग्रहण के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रहा है, जो बड़ी उपलब्धि है। आजादी के 75 वर्ष के मौके पर मनाये जा रहे अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि 2017 में एक राष्ट्र-एक टैक्स की अवधारणा के तहत जीएसटी के लागू हो जाने से व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र में बहुआयामी परिवर्तन हुए हैं।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 09.07.2022 | पृष्ठ सं० 06

भास्कर एक्सक्लूसिव • लक्ष्य से छह माह पहले पूरा होगा निर्माण

लोहिया पथचक्र: डिजाइन बदला, 4 मीटर गहराई तक ही होगी पायलिंग

अनमेश दुबे | पटना

बेली रोड को ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने और शहर के महत्वपूर्ण भागों को आपस में कनेक्ट करने वाले लोहिया पथचक्र के फेज-2 का निर्माण कार्य तेज हो गया है। इसके डिजाइन में बड़ा बदलाव किया गया है। पहले पिलर के लिए 9 मीटर खुदाई की प्लानिंग थी। अब 4 मीटर तक ही होगी। पायलिंग की गहराई को इसलिए कम किया गया है, ताकि नीचे संप और ड्रेनेज सिस्टम प्रभावित न हो। लोहिया पथचक्र के पहले हिस्से में 9 मीटर की खुदाई होने से नए सिरे से संप व ड्रेनेज बनाना पड़ा था। इसके चलते भी पहले फेज को बनाने में करीब पांच साल का वक्त लग गया। नए डिजाइन से फेज-2 को बनाने में छह महीने का वक्त घट जाएगा। विभागीय इंजीनियरों के मुताबिक अगले साल जून तक पथचक्र के दूसरे हिस्से की सुविधा शहर के लोगों को मिलने की उम्मीद है। पहले के डिजाइन के अनुसार निर्माण होता तो 2024 तक यह प्रोजेक्ट पूरा होता। डिजाइन बदलने से करीब 10 करोड़ रुपए की बचत भी संभव है। नए डिजाइन की आईआईटी रूड़की ने अप्रूव कर दिया है।

तीन हिस्से में 10 लेन में बनेगा पथचक्र

पथ चक्र की सभी अलग-अलग लेन को 10 हिस्सों में बनाया जाएगा। दारोगा राय पथ से शुरू होकर यह पुल हड़ताली मोड़ तक आएगा। यहां से बोरिंग कैनाल रोड से जुड़ेगा। सभी लेन को मिलाकर करीब 3 किमी लंबाई तक का यह पथचक्र होगा। लोहिया पथचक्र को तीन हिस्से में बनाने की प्लानिंग है। नए डिजाइन के मुताबिक पहला हिस्सा दारोगा राय पथ स्थित विजिलेंस ऑफिस से शुरू होकर हड़ताली मोड़ तक 350 मीटर लंबे पुल का निर्माण चल रहा है। इसके बाद दूसरा हिस्सा हड़ताली मोड़ से बोरिंग रोड में बुद्धा होटल के पास तक पुल 250 मीटर लंबा ब्रिज बनेगा। बोरिंग रोड के हिस्से में दो लेन का पुल ऊपर से गुजरेगा और सर्विस रोड दो लेन में होगी। इसी तरह तीसरे हिस्से में अटल पथ के नीचे से एक पुल शुरू होगा और बिहार म्यूजियम के पहले समाप्त होगा। इस हिस्से की लंबाई लगभग 100 मीटर तक ही होगी। इंजीनियरों ने बताया कि हड़ताली मोड़ के पास अंडरग्राउंड जंक्शन बनेगा, जहां से पथ चक्र के तीनों हिस्सों का डायवर्जन होगा।

यू-टर्न नहीं, सिग्नल फ्री होगा पथचक्र

जिस तरह से पथचक्र के पहले हिस्से से लोगों को यू-टर्न के झंझट से मुक्ति मिली है, ठीक उसी तरह फेज-2 वाले पथचक्र में वही सुविधा मिलेगी। साथ ही किसी पूरे पथचक्र में कहीं भी ट्रैफिक सिग्नल नहीं होगा। नए ब्रिज बनने के बाद बेली रोड पर ट्रैफिक जाम नहीं होगा। साथ ही आर ब्लॉक से सीधे अब बोरिंग रोड जाने के लिए बेहतर विकल्प लोगों को मिल जाएगा। हाईकोर्ट के पहले से यू-टर्न करने की जरूरत नहीं होगी।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 09.07.2022 | पृष्ठ सं० 04

बेहतरी • नये कोर्स, हॉस्टल, हॉल और कैंटीन आदि की सुविधाएं मिलने से बेहतर होगी पढ़ाई

नये सत्र में महिला कॉलेजों में मिलेंगी कई नयी सुविधाएं

संवाददाता ▸ पटना

शहर में मौजूद महिला कॉलेजों में हर साल हजारों की संख्या में छात्राएं पढ़ने आती हैं. हर साल की तरह इस साल भी कुछ महिला कॉलेजों में छात्राओं को नये कोर्स, हॉस्टल, हॉल और कैंटीन की सुविधा मिलने वाली है.

श्रीअरविंद महिला कॉलेज : पीयर टीचिंग सेल की सुविधा

श्रीअरविंद महिला कॉलेज की प्राचार्या प्रो पूनम ने बताया कि कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए पीयर टीचिंग सेल बनाया गया है. साथ ही प्लेसमेंट को लेकर जॉब फेयर का भी आयोजन होने वाला है. वहीं नये सत्र में छात्राओं के लिए वैचलर्स इन लाइब्रेरी की शुरुआत होने जा रही है. इसमें लाइब्रेरी के बारे में पढ़ाया जायेगा. वहीं इस बार भी हॉस्टल शुरू करने के लिए छात्राओं को फॉर्म दिया जायेगा.

गंगा देवी महिला कॉलेज : पीजी कोर्सेस में अब नामांकन ले सकेंगी छात्राएं : गंगा देवी महिला कॉलेज में पहले से ही आर्ट्स, साइंस और वोकेशनल कोर्स की पढ़ाई हो रही है. अब यूनिवर्सिटी से मिले आदेश के बाद वहां छात्राएं बीकॉम और पीजी में पांच कोर्स कर सकेंगी. बीकॉम सेल्फ फाइनेंसिंग कोर्स के तौर पर है और पीजी में जूलॉजी, हिस्ट्री, सोशियोलॉजी, होम साइंस और अंग्रेजी है.

जेडी वीमेंस कॉलेज : ओल्ड बिल्डिंग में बीकॉम की होगी पढ़ाई : जेडी वीमेंस कॉलेज में इंटर, ग्रेजुएशन, पीजी और सेल्फ फाइनेंसिंग कोर्स की पढ़ाई होती है. पिछले तीन सत्रों से बीकॉम शुरू करने की कवायद जारी थी, लेकिन अब इस सत्र से यहां बीकॉम और बैचलर्स इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस की पढ़ाई होगी. प्राचार्या प्रो मीरा कुमारी ने बताया कि कॉलेज की ओल्ड बिल्डिंग में ही बीकॉम की पढ़ाई होगी.

मगध महिला कॉलेज : महिमा छात्रावास में नये सत्र की छात्राएं रहेंगी : मगध महिला कॉलेज में बने महिमा छात्रावास का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया है. कोरोना की वजह से इस हॉस्टल को बनने में तीन साल का वक्त लगा है. जी प्लस 7 की इस बिल्डिंग में छात्राओं के लिए 639 बेड के अलावा जिम और कॉमन रूम है. नये सत्र के नामांकन के साथ ही छात्राओं को नये हॉस्टल के लिए अप्लाय करना होगा. नामांकन के साथ ही छात्राओं को हॉस्टल के रूम का भी एलॉटमेंट होगा. प्राचार्या डॉ नमिता कुमारी ने बताया कि हॉस्टल की फीस पीबू की ओर से तय होगी. वहीं इस सत्र से सीबीसीएस के तहत छात्राएं पढ़ेंगी.

पटना वीमेंस कॉलेज में निर्माणाधीन ऑडिटोरियम (बायें), मगध महिला कॉलेज में तैयार हॉस्टल.

पटना वीमेंस कॉलेज : ऑडिटोरियम और कैंटीन का मिलेगा तोहफा

पटना वीमेंस कॉलेज की छात्राओं को इस साल ऑडिटोरियम और कैंटीन का तोहफा मिलने वाला है. साल 2018 में पुराने स्टेज हॉल को तोड़ कर नये ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य शुरू हुआ है. इस ऑडिटोरियम का निर्माण 25 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है. साथ ही इसमें 2500 छात्राओं के बैठने की जगह होगी. जबकि कॉलेज से पहले से एक कैंटीन है, जिसकी बिल्डिंग काफी पुरानी हो चुकी है. पुराने कैंटीन की जगह पर जल्द एक नया कैंटीन तैयार होने वाला है, जिसका काम शुरू हो चुका है. यह बिल्डिंग जी प्लस टू होगी. इसे बनाने को लेकर सारी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है. यह पूरा कैंटीन लगभग सात करोड़ की लागत से तैयार होगा. इस साल के आखिर तक यह बनकर तैयार हो जायेगा.

नये सत्र में आने वाली छात्राओं को आउटकम बेस्ड एजुकेशन पढ़ना होगा. इसके लिए सिलेबस भी तैयार किया जा चुका है. कॉलेज की प्राचार्या डॉ सिस्टर मारिया रश्मि एससी ने बताया कि छात्राएं पूरे साल जो पढ़ रही है इसका आउटकम क्या है यानी इसका परिणाम क्या है इसे लेकर छात्राओं को एक पेपर तैयार करना होगा. इससे ये ना सिर्फ अपने कोर्स को समझेंगी बल्कि आगे जाकर अपने कैरियर को दिशा दे पायेंगी.

सौजन्य से प्रभात खबर | पटना | 09.07.2022 | पृष्ठ सं० 4

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	1741
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	422
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	254
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,81,79,786
⇒ कम से कम एक डोस	7,15,47,821
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,24,51,539

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

- कतर
- दक्षिण कोरिया
- जापान
- हॉग कॉग
- यू.ए.ई.
- सिंगापुर
- बहरीन
- न्यूजीलैंड
- कनाडा
- यू.एस.ए.
- ऑस्ट्रेलिया
- सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

- मुम्बई
- हैदराबाद
- पुणे
- चेन्नई
- नागपुर
- गुजरात
- कोलकाता
- वाराणसी
- गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.